• कविता...

आग और मानव

आदि मानव ने
आग का आविष्कार किया
आधुनिक मानव ने
आग कज प्रकृति को
अपने सम्पूर्ण
चेतन अवचेतन में
समर्पित भाव से
गहराइयों तक
उतारा...!
अत: पूर्व में जो आग
जलती रही मानव के लिए
वही आग
अब मानव को
उसके समग्र व्यक्तित्व
और परिवेश के साथ
तिल-तिल कर
जला रही है
और विवश मानव के पास
जलते रहने के सिवा
कोई चारा नहीं है
क्योंकि आग के बिना
उसका गुज़ारा नहीं है...!

■ सुरेश विमल

• चुटकुले...

एक बेरोजगार युवक का इंटरव्यू लेते हुए कंपनी के मैनेजर ने पूछा– क्यों साइकिल चलाना जानते हो?
युवक (मैनेजर से)– जी हां।
मैनेजर (युवक से)– क्या कभी हवाई जहाज चलाने का अनुभव है?
युवक (मैनेजर से)– बिल्कुल है।
मैनेजर (युवक से)– तुम्हें कंपनी में सैल्समैन के पद पर नियुक्त किया जाएगा, इसलिए यह बताओ कि क्या कभी जरूरत पड़ेगी तो झूठ बोल सकते हो?
युवक (मैनेजर से)– मैं इतनी देर से झूठ ही तो बोल रहा हूं।

'पडोसन' को जब भी देखो, जितनी बार भी देखो, अच्छी ही लगती है क्योंकि....
इस में सुनील दत्त और किशोर कुमार ने बहुत बढ़िया काम किया है बहुत अच्छी फिल्म है।

• जानकारी...

इतिहास का सबसे अमीर शख्स

आपने अरबों-खरबों की संपत्ति वाले लोगों के नाम सुने होंगे, जैसे-एलन मस्क, जेफ बेजोस, या बिल गेट्स, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन सभी से भी कहीं ज्यादा अमीर एक राजा 700 साल पहले धरती पर राज करता था? इस राजा की दौलत का अंदाजा लगाना आज भी असंभव माना जाता है। यह वह इंसान था जो चलते-चलते सोना लुटा देता था, और जिसकी एक यात्रा ने एक पूरे देश की अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर दिया था। उस राजा का नाम था मनसा मूसा, माली साम्राज्य का महान शासक था। चलिए इनके बारे में जानते हैं।

मनसा मूसा का जन्म साल 1280 में हुआ था। उस समय पश्चिम अफ्रीका का माली साम्राज्य सोने की खान माना जाता था। इतिहासकारों के मुताबिक, जब मूसा गद्दी पर बैठे, तो माली हर साल लगभग 1000 किलो सोना निकालता था। उनके शासन का विस्तार सिर्फ माली तक सीमित नहीं था, उनका साम्राज्य मॉरीटानिया, सेनेगल, गांबिया, गिनी, बुर्किना फासो, नाइजर, चाड और नाइजीरिया तक फैला हुआ था। ब्रिटिश म्यूजियम की रिपोर्ट के अनुसार, वे दुनिया के आधे सोने के मालिक थेद्ध

जब सोने से ढक गई काबा की धरती

अमेरिकी वेबसाइट के अनुमान की मानें तो मनसा मूसा की संपत्ति लगभग 400 अरब डॉलर के बराबर थी। यानी उस वक्त में अकेले इस राजा के पास इतनी संपत्ति थी। लेकिन इस राजा को सिर्फ उसकी अमीरी ने नहीं, बल्कि उसकी दानवीरता ने भी अमर बना दिया। कहते हैं कि जब वह मक्का की यात्रा (हज) पर जा रहे थे, तो उनके साथ 100 से अधिक ऊंटों पर सोना लदा हुआ था। उनके साथ लगभग 500 लोग सोने की 500 छड़ियां लेकर चलते थे। रास्ते में जब वह मिस्र के काहिरा पहुंचे, तो उन्होंने इतना सोना बांट दिया कि वहां की अर्थव्यवस्था डगमगा गई। काहिरा में अचानक सोने की कीमतें गिर गईं और अगले कई दशकों तक मिस्र की आर्थिक स्थिति अस्थिर रही।

इतिहासकारों ने लिखा है कि मनसा मूसा की यात्रा किसी धार्मिक यात्रा से कम नहीं, बल्कि एक चलती-फिरती सोने की बरसात जैसी थी। उन्होंने मक्का पहुंचने के बाद भी गरीबों को खूब सोना दान किया। कहा जाता है कि उन्होंने अपने शासनकाल में स्कूल, मस्जिदें और विश्वविद्यालय बनवाए और शिक्षा तथा कला को बढ़ावा दिया। माली की राजधानी टिंबकटू को उन्होंने व्यापार और ज्ञान का केंद्र बना दिया, जिसे उस दौर का अफ्रीकी स्वर्ण नगर कहा जाने लगा था।

• रोचक...

क्लाउड सीडिंग

आर्टिफिशियल रेन या क्लाउड सीडिंग एक मौसम परिवर्तन तकनीक है, जिसमें विमान या फिर ड्रोन के जरिए बादलों में खास रसायनों को छिड़का जाता है, ताकि बारिश हो पाए। इसका उद्देश्य प्रदूषण, सूखे या खराब वायु गुणवत्ता वाली जगह पर बारिश को बढ़ाना है। क्लाउड सीडिंग के दौरान निकलने वाले मुख्य रसायनों में सिल्वर आयोडाइड, पोटेशियम आयोडाइड, ठोस कार्बन डाइऑक्साइड और कभी-कभी सोडियम क्लोराइड भी शामिल होती है। इसमें सिल्वर आयोडाइड सबसे ज्यादा आम है, क्योंकि यह बर्फ की संरचना की नकल करता है और बादलों में पानी की बूंद को आपस में मिलकर बारिश के रूप में गिरने में काफी मदद करता है। वैसे तो आर्टिफिशियल बारिश में भीगना सुरक्षित है, क्योंकि इसमें इस्तेमाल होने वाले रसायन काफी कम मात्रा में होते हैं। लेकिन संवेदनशील त्वचा, एलर्जी या फिर सांस से संबंधित समस्याओं वाले लोगों को इसके संपर्क में कम आना चाहिए, क्योंकि इससे हल्की जलन या फिर बेचैनी हो सकती है।

• गोनू झा

गुलाब की सुगन्ध

गतांक से आगे...

महाराज मंत्री के साथ पुष्पवाटिका में टहलते रहे, जैसे पहले टहल रहे थे।

थोड़ी ही देर में गोनू झा मंद-मंद मुस्कुराते हुए वहाँ आए। महाराज के पास रुके और सम्मानपूर्वक दुशाला उनके कंधों पर फैलाकर डाल दिया। महाराज ने दुशाले के एक छोर को खुद सीने से लपेटते हुए दूसरे छोर को अपने कंधे पर रख लिया। उस समय महाराज गुलाबों के बीच ही थे। गुलाब की सुगंध से सराबोर!

थोड़ी देर वहाँ टहलते रहे महाराज और उसके बाद दूसरे फूलों की ओर बढ़ते हुए उन्होंने गोनू झा से पूछा -'पंडित जी! क्या कोई उपाय है कि मैं जिन फूलों के पास जाऊँ उनसे गुलाब की सुगंध ही आए?'

गोनू झा मुस्कुराए और बोले -'उत्तर मिल जाएगा महाराज!'

थोड़ी देर में ही वे लोग पुष्पवाटिका के ऐसे छोर पर पहुँच गए जहाँ बेला-जूही-चमेली जैसे श्वेत पुष्पों की निराली छटा बिखरी हुई थी मगर महाराज को वहाँ भी गुलाब की सुगन्ध मिल रही थी। भीनी-भीनी सुगंध! महाराज ने मंत्री से पूछा -'इन फूलों से कैसी सुगन्ध आ रही है?'

मंत्री ने कहा -'बेला- जूही की मिली - जुली सुगन्ध!'

महाराज ने गोनू झा से भी वही सवाल दुहराया।

गोनू झा महाराज के पूछने का अर्थ समझ गए। उन्होंने कहा -'महाराज, फूलों में तो वही सुगन्ध है जो नैसर्गिक रूप से उनमें विद्यमान है, लेकिन आप जहाँ कहीं भी जाएँगे वहाँ आपको गुलाब की भीनी सुगन्ध मिलेगी। आपने आज्ञा दी थी कि मैं कुछ ऐसा उपाय बताऊँ कि आप इस पुष्पवाटिका में जहाँ कहीं भी जाएँ, आपको गुलाब की सुगन्ध मिले। मैंने वह उपाय कर दिखाया है।'

अब तक मंत्री गोनू झा को इसी उपाय के मामले में मुँह लटकाए देखने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन गोनू झा की बातें सुनकर उसके चेहरे का रंग उतर गया।

महाराज ने पूछा -'क्या सच आपने ऐसा कुछ किया है? मैं अब भी गुलाब की सुगन्ध का अनुभव कर रहा हूँ।'

गोनू झा ने मुस्कुराते हुए कहा -'मैंने कुछ नहीं किया है। बस, थोड़ा-सा गुलाब का इत्र आपके दुशाले पर लगा दिया है।'

-समाप्त

थोड़ी देर वहाँ टहलते रहे महाराज और उसके बाद दूसरे फूलों की ओर बढ़ते हुए उन्होंने गोनू झा से पूछा -'पंडित जी! क्या कोई उपाय है कि मैं जिन फूलों के पास जाऊँ उनसे गुलाब की सुगंध ही आए?' गोनू झा मुस्कुराए और बोले -'उत्तर मिल जाएगा महाराज!'

थोड़ी देर में ही वे लोग पुष्पवाटिका के ऐसे छोर पर पहुँच गए जहाँ बेला-जूही-चमेली जैसे श्वेत पुष्पों की निराली छटा बिखरी हुई थी मगर महाराज को वहाँ भी गुलाब की सुगन्ध मिल रही थी...

• चांदी...

प्राचीन आयुर्वेद में सोने और चांदी में शक्तिशाली उपचार गुणों को माना जाता था। चांदी अपने रोगाणुरोधी गुणों के लिए पहचानी जाती है और शरीर को ठंडक पहुंचाने के साथ-साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत करती है। मिठाइयों पर लगाने से यह जीवाणुओं के विकास को रोक कर उन्हें सुरक्षित रखने में भी मदद करती है। इसी के साथ सोना जीवन शक्ति और दीर्घायु का प्रतीक माना जाता है। यह शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और साथ ही ताकत को भी बढ़ाता है। यही वजह है कि वर्क का इस्तेमाल सिर्फ सजावटी नहीं बल्कि औषधीय भी था।